



Mr.



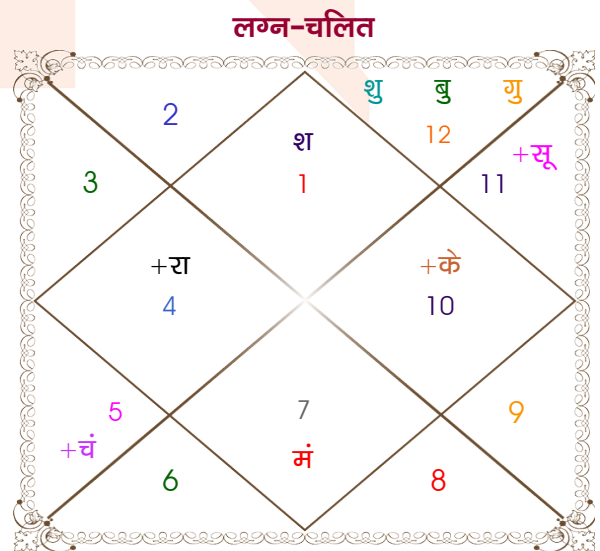
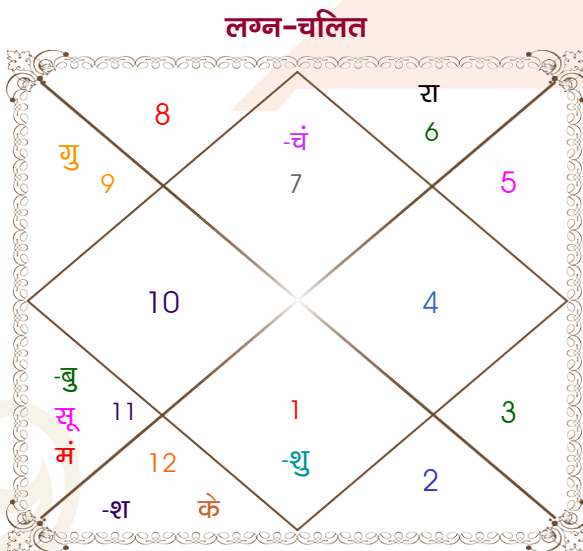
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120325503

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 08/03/1996 : _____ जन्म तिथि _____ 03/03/1999
 शुक्रवार : _____ दिन _____ बुधवार
 घंटे 22:31:00 : _____ जन्म समय _____ 08:39:00 घंटे
 घंटे 40:50:59 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 05:57:04 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Buxur : _____ स्थान _____ Buxur
 25:35:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 25:35:00 उत्तर
 84:00:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 84:00:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:06:00 : _____ स्थानिक संस्कार _____ 00:06:00 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:10:36 : _____ सूर्योदय _____ 06:16:10
 17:59:17 : _____ सूर्यास्त _____ 17:56:19
 23:48:20 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:50:34

विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 5मा 2दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 4मा 9दि राहु	
11/08/2015		25:48:50	तुला	लग्न	मेष	05:21:01	11/07/2021	
11/08/2031		24:36:22	कुंभ	सूर्य	कुंभ	18:14:34	12/07/2039	
गुरु	28/09/2017	03:57:11	तुला	चंद्र	सिंह	28:05:28	राहु	24/03/2024
शनि	11/04/2020	23:43:29	कुंभ	मंगल	तुला	16:59:33	गुरु	17/08/2026
बुध	18/07/2022	08:10:16	कुंभ	बुध	मीन	06:20:41	शनि	23/06/2029
केतु	24/06/2023	19:10:08	धनु	गुरु	मीन	10:15:30	बुध	11/01/2032
शुक्र	22/02/2026	09:06:50	मेष	शुक्र	मेष	06:21:38	केतु	28/01/2033
सूर्य	11/12/2026	02:32:31	मीन	शनि	मेष	28:16:10	शुक्र	29/01/2036
चन्द्र	11/04/2028	23:28:57	कन्या	राहु व	कर्क	28:16:10	सूर्य	23/12/2036
मंगल	18/03/2029	23:28:57	मीन	केतु व	मक	20:33:50	चन्द्र	23/06/2038
राहु	11/08/2031	09:17:59	मक	हर्ष	मक	09:26:02	मंगल	12/07/2039
		03:13:57	मक	नेप	मक	16:37:15		
		09:18:28	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि			



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

